

खेड तालुका शिक्षण प्रसारक मंडळाचे  
**हुतात्मा राजगुरु महाविद्यालय,**  
राजगुरुनगर ता. खेड, जि. पुणे. पिन – ४१०५०५  
**मराठी विभाग**

**अध्यापनाचे वार्षिक नियोजन**  
**शैक्षणिक वर्ष २०१४ – २०१५**

| अ.क्र. | वर्ग                 | विषयाचे नाव  | एकूण तुकड्या | विषय शिक्षक   | पान. क्र. |
|--------|----------------------|--|--------------|---|-----------|
| १      | प्रथम वर्ष कला       | आधुनिक मराठी वाड्मय आणि व्यावहारिक मराठी                   | ०४           | डॉ.एस.डी.शिंदे<br>डॉ.बी.डी.अनुसे<br>प्रा.व्ही.व्ही.कांबळे | २         |
| २      | प्रथम वर्ष वाणिज्य   | मराठी पुनर्गचित अभ्यासक्रम                                 | ०५           | डॉ.एस.डी.शिंदे<br>प्रा.व्ही.व्ही.कांबळे                   | ३         |
| ३      | द्वितीय वर्ष कला     | आधुनिक मराठी साहित्य आणि उपयोजित मराठी (जी २)              | ०१           | डॉ.एस.डी.शिंदे  | ४         |
| ४      | द्वितीय वर्ष कला     | मराठी साहित्यातील विविध साहित्यप्रकार (एस.१)               | ०१           | डॉ.बी.डी.अनुसे  | ५         |
| ५      | द्वितीय वर्ष कला     | अर्वाचीन मराठी वाड्मयाचा इतिहास (एस.२)                     | ०१           | डॉ.एस.डी.शिंदे  | ६ ते ७    |
| ६      | द्वितीय वर्ष विज्ञान | मराठी विज्ञान साहित्य आणि व्यावहारिक व उपयोजित मराठी       | ०१           | डॉ.बी.डी.अनुसे  | ८         |
| ७      | तृतीय वर्ष कला       | आधुनिक मराठी साहित्य आणि व्यावहारिक व उपयोजित मराठी (जी ३) | ०१           | डॉ.बी.डी.अनुसे  | ९         |
| ८      | तृतीय वर्ष कला       | साहित्यविचार (एस.३)  | ०१           | डॉ.एस.डी.शिंदे  | १० ते ११  |
| ९      | तृतीय वर्ष कला       | भाषाविज्ञान : वर्णनात्मक आणि ऐतिहासिक (एस.४)               | ०१           | डॉ.बी.डी.अनुसे  | १२        |

## अध्यापन नियोजन आराखडा

वर्ग – प्रथम वर्ष कला

शैक्षणिक वर्ष २०१४ – २०१५

विषय – आधुनिक मराठी वाङ्मय आणि व्यावहारिक मराठी

विषय शिक्षकाचे नाव : डॉ.एस.डी.शिंदे, डॉ.बी.डी.अनुसे, प्रा.कृष्ण.कांबळे

| महिना            | घटक  | उपघटक  | तासिका |
|------------------|--|--|--------|
| प्रथम सत्र       |  |  |        |
| जून<br>२०१४      | घटक १ – नेमलेला कथासंग्रह<br>'मराठी विनोदी कथा' –                    | वर्तमानपत्रकर्ता – श्री.कृ.कोल्हटकर  | ०६     |
| जुलै<br>२०१४     | 'मराठी विनोदी कथा' –   | नाटक कसे लिहावे – राम गणेश गडकरी<br>चिमणरावाचे वकृत्व – चिं.वि.जोशी<br>पहिले कावळे संमेलन—आचार्य अत्रे<br>म्हैस – पु.ल.देशपांडे                    | १६     |
| ऑगस्ट<br>२०१४    | 'मराठी विनोदी कथा' –   | तक्रार – शंकर पाटील<br>बंडू आणि अमेरिकेची कानउघाडणी – गंगाधर<br>गाडगीळ, झोप – द.मा.मिरासदार  | १६     |
| सप्टेंबर<br>२०१४ | 'मराठी विनोदी कथा' –<br><br>घटक २<br>व्यक्तिमत्त्व विकास आणि<br>भाषा | आचार्य अत्रे कसा झालो नाही – मुकुंद टांकसाळे<br>पेज श्री कथा – मंगला गोडगोले<br>व्यक्तिमत्त्व विकास संकल्पना<br>व्यक्तिमत्त्व विकासात भाषेचे स्थान | १६     |
| ऑक्टोबर<br>२०१४  | भाषिक कौशल्ये<br>कार्यक्रम नियोजन कौशल्ये                            | लेखन, वाचन, संभाषण, श्रवण कौशल्ये<br>सूत्रसंचालन, प्रास्ताविक, परिचय, स्वागत, मनोगत.   | १०     |

द्वितीय सत्र

|                    |   |  |    |
|--------------------|---|--|----|
| डिसेंबर<br>२०१४    | घटक ३ नेमलेला कवितासंग्रह<br>'मातृपंचक' | कवितेचे स्वरूप, जन्मदात्री आई संबंधी कविता<br>काळी आई संबंधी कविता                           | १६ |
| जानेवारी<br>२०१५   | 'मातृपंचक'                              | दैवत माझली संबंधी कविता, मातृभाषा संबंधी<br>कविता, मातृभूमी संबंधी कविता                     | १६ |
| फेब्रुवारी<br>२०१५ | 'मातृपंचक'<br>घटक ४ व्यावहारिक मराठी    | मातृभूमी संबंधी कविता<br>वर्तमानपत्रासाठी बामती लेखन<br>टूक—श्राव्य माध्यमांसाठी मुलाखत लेखन | १६ |
| मार्च<br>२०१५      | घटक ४ व्यावहारिक मराठी                  | पारिभाषिक संज्ञा<br>अशुद्ध शब्द शुद्ध करणे   | १२ |

## अध्यापन नियोजन आराखडा

वर्ग – प्रथम वर्ष वाणिज्य

शैक्षणिक वर्ष २०१४ – २०१५

विषय – मराठी

विषय शिक्षकाचे नाव : डॉ.एस.डी.शिंदे, प्रा.व्ही.व्ही.कांबळे

| महिना      | घटक | उपघटक | तासिका |
|------------|-----|-------|--------|
| प्रथम सत्र |     |       |        |

|                  |   |   |    |
|------------------|---|---|----|
| जून<br>२०१४      | घटक १ – व्यावहारिक आणि<br>उपयोजित मराठी | निबंध लेखन  | ०६ |
| जुलै<br>२०१४     | घटक २ – यशोगाथा<br>पाठ्यपुस्तक          | डॉ. श्रीराम लागू, लता मंगेशकर डॉ.राम ताकवले,<br>डॉ. विजय भटकर | १६ |
| ऑगस्ट<br>२०१४    | घटक २ – यशोगाथा<br>पाठ्यपुस्तक          | डॉ.ह.वि.सरदेसाई, डॉ.रघुनाथ माशेलकर, डॉ.<br>बालाजी तांबे       | १६ |
| सप्टेंबर<br>२०१४ | घटक २ – यशोगाथा<br>पाठ्यपुस्तक          | सिंधुताई सपकाळ, श्री.हुकमीचंद व सौ.कमल<br>चोरडिया,            | १६ |
| ऑक्टोबर<br>२०१४  | घटक २ – यशोगाथा<br>पाठ्यपुस्तक          | फादर फ्लान्सिस दिब्रिटो, सचिन तेंडूलकर                        | १० |

द्वितीय सत्र

|                    |                       |  |    |
|--------------------|-----------------------|--|----|
| डिसेंबर<br>२०१४    | घटक २ – उपयोजित मराठी | अर्जलेखन, टिप्पणीलेखन, निविदा लेखन                     | १६ |
| जानेवारी<br>२०१५   | घटक २ – उपयोजित मराठी | इतिवृत्तलेखन, माहितीपत्रक, घोषणापत्रक जाहीर<br>निवेदन, | १६ |
| फेब्रुवारी<br>२०१५ | घटक २ – उपयोजित मराठी | वर्तमानपत्रासाठी बातमीलेखन, सारांशलेखन,<br>भाषांतरलेखन | १६ |
| मार्च<br>२०१५      | घटक २ – उपयोजित मराठी | भाषांतरलेखन मौखिक परीक्षा                              | १२ |

## अध्यापन नियोजन आराखडा

वर्ग – द्वितीय वर्ष कला

शैक्षणिक वर्ष २०१४ – २०१५

विषय – आधुनिक मराठी साहित्य आणि उपयोजित मराठी

विषय शिक्षकाचे नाव : डॉ.एस.डी.शिंदे

| महिना | घटक | उपघटक | तासिका |
|-------|-----|-------|--------|
|-------|-----|-------|--------|

### प्रथम सत्र

|                  |   |  |    |
|------------------|---|--|----|
| जून<br>२०१४      | घटक १— उपयोजित मराठी  | १. अर्जलेखन  | ०६ |
| जुलै<br>२०१४     | उपयोजित मराठी<br>घटक २— चरित्र या साहित्य प्रकाराची तात्त्विक मीमांसा | २ अशुद्ध शब्द शुद्ध करून लिहिणे<br>चरित्र : संकल्पना, चरित्रः साहित्य प्रकाराचे स्वरूप, चरित्रः साहित्य प्रकाराची वाटचाल | १६ |
| ऑगस्ट<br>२०१४    | घटक ३ — पाठ्यपुस्तक   | ‘जीवनवेध’ पाठ्यपुस्तक  | १६ |
| सप्टेंबर<br>२०१४ | नेमलेले पाठ्यपुस्तक   | ‘जीवनवेध’ पाठ्यपुस्तक  | १६ |
| ऑक्टोबर<br>२०१४  | नेमलेले पाठ्यपुस्तक   | ‘जीवनवेध’ पाठ्यपुस्तक  | १६ |

### द्वितीय सत्र

|                    |   |   |    |
|--------------------|---|---|----|
| डिसेंबर<br>२०१४    | व्यावहारिक मराठी ‘आत्मचरित्र’ या साहित्य प्रकाराची तात्त्विक मीमांसा    | सारांश लेखन, पारिभाषिक संज्ञा आत्मचरित्र : संकल्पना, आत्मचरित्र व आत्मकथन : साम्यभेद, | १६ |
| जानेवारी<br>२०१५   | ‘आत्मचरित्र’ या साहित्य प्रकाराची तात्त्विक मीमांसा नेमलेले पाठ्यपुस्तक | आत्मचरित्र : साहित्यप्रकाराची वाटचाल ‘माझी जडणघडण’                                    | १६ |
| फेब्रुवारी<br>२०१५ | नेमलेले पाठ्यपुस्तक   | ‘माझी जडणघडण’   | १६ |
| मार्च<br>२०१५      | नेमलेले पाठ्यपुस्तक   | ‘माझी जडणघडण’   | १२ |

## अध्यापन नियोजन आराखडा

वर्ग – द्वितीय वर्ष कला

शैक्षणिक वर्ष २०१४ – २०१५

विषय – मराठी साहित्यातील विविध साहित्यप्रकार (एस. १)

विषय शिक्षकाचे नाव : डॉ.बी.डी.अनुसेन

| महिना | घटक | उपघटक | तासिका |
|-------|-----|-------|--------|
|-------|-----|-------|--------|

प्रथम सत्र

|                  |  |  |    |
|------------------|--|--|----|
| जून<br>२०१४      | १.नाटक – तात्विक,<br>सैद्धांतिक, चर्चा,                        | नाटक म्हणजे काय, व्याख्या, घटक आणि रचना,<br>नाट्यतंत्र,  | ०६ |
| जुलै<br>२०१४     | १.नाटक – तात्विक,<br>सैद्धांतिक, चर्चा<br>२.मराठी नाट्य परंपरा | विविध नाट्यप्रकार, आशयानुसार प्रकार, नाटकाचे सादरीकरण, प्रयोगमूल्य.<br>विकासाचे टप्पे, प्राचीन परंपरा, नाटक या साहित्य प्रकाराची वाटचाल, | १६ |
| ऑगस्ट<br>२०१४    | २.मराठी नाट्य परंपरा   | नाटक आणि इतर वाङ्मय प्रकार, साम्य-भेद  | १६ |
| सप्टेंबर<br>२०१४ | ३.नेमलेले नाटक –   | नटसप्राट – वि.वा. शिरवाडकर.  | १६ |
| ऑक्टोबर<br>२०१४  | ३.नेमलेले नाटक –   | नटसप्राट – वि.वा. शिरवाडकर.  | १६ |

द्वितीय सत्र

|                    |  |   |    |
|--------------------|--|---|----|
| डिसेंबर<br>२०१४    | कादंबरी – तात्विक,<br>सैद्धांतिक, चर्चा, | कादंबरी या साहित्यप्रकाराची तात्विक मीमांसा,<br>याख्या, घटक, स्वरूप, संकल्पना, प्रकार, वाटचाल,<br>विशेष, रूपबंध, वर्गीकरण,        | १६ |
| जानेवारी<br>२०१५   | कादंबरी आणि इतर साहित्य                  | परस्पर संबंध आणि साम्यभेद. मराठी कादंबरीची जडणघडण, कादंबरीची ऐतिहासिक स्थित्यातरे, कादंबरी या वाङ्मयप्रकाराचे समकालीन विविध आयाम, | १६ |
| फेब्रुवारी<br>२०१५ | नेमलेली कादंबरी                          | फकिरा – अण्णा भाऊ साठे.   | १६ |
| मार्च<br>२०१५      | नेमलेली कादंबरी                          | फकिरा – अण्णा भाऊ साठे.   | १२ |

## अध्यापन नियोजन आराखडा

वर्ग – द्वितीय वर्ष कला

शैक्षणिक वर्ष २०१४ – २०१५

विषय : अर्वाचीन मराठी वाडमयाचा इतिहास (एस.२)

विषय शिक्षकाचे नाव : डॉ.एस.डी.शिंदे

| महिना | घटक | उपघटक | तासिका |
|-------|-----|-------|--------|
|-------|-----|-------|--------|

प्रथम सत्र

|                  |   |   |    |
|------------------|---|---|----|
| जून<br>२०१४      | इ.स.१८१८ ते १९२०या कालखंडातील पाश्वर्भूमी   | इ.स.१८१८ ते १९२०या कालखंडातील सामाजिक पाश्वर्भूमी.  | ०६ |
| जुलै<br>२०१४     | इ.स.१८१८ ते १९२०या कालखंडातील पाश्वर्भूमी<br>इ.स.१८१८ ते १९२०या कालखंडातील प्रेरणा आणि प्रवृत्ती                        | इ.स.१८१८ ते १९२०या कालखंडातील धार्मिक, सांस्कृतिक आणि वाडमयीन पाश्वर्भूमी<br>इ.स.१८१८ ते १९२०या कालखंडातील प्रेरणा आणि प्रवृत्ती    | १६ |
| ऑगस्ट<br>२०१४    | इ.स.१८१८ ते १९२०या कालखंडातील प्रेरणा आणि प्रवृत्ती<br>इ.स.१८१८ ते १९२०या कालखंडातील निवडक वाडमयप्रकारांचा स्थूल आढावा. | इ.स.१८१८ ते १९२०या कालखंडातील प्रेरणा आणि प्रवृत्ती<br><br>इ.स.१८१८ ते १९२०या कालखंडातील कथा, कादंबरी, वाडमयप्रकारांचा स्थूल आढावा. | १६ |
| सप्टेंबर<br>२०१४ | निवडक वाडमयप्रकारांचा स्थूल आढावा.  | इ.स.१८१८ ते १९२०या कालखंडातील कविता, नाटक, चरित्र, आत्मचरित्र या निवडक वाडमयप्रकारांचा आढावा.                                       | १६ |
| ऑक्टोबर<br>२०१४  |   | इ.स.१८१८ ते १९२०या कालखंडातील आत्मचरित्र वाडमयप्रकाराचा आढावा   | ०८ |

द्वितीय सत्र

|                  |  |  |    |
|------------------|--|--|----|
| डिसेंबर<br>२०१४  | इ.स.१९२१ ते १९६०या कालखंडातील पाश्वर्भूमी  | इ.स.१९२१ ते १९६०या कालखंडातील सामाजिक पाश्वर्भूमी.   | १६ |
| जानेवारी<br>२०१५ | इ.स.१९२१ ते १९६०या कालखंडातील पाश्वर्भूमी<br>या कालखंडातील प्रेरणा आणि प्रवृत्ती | इ.स.१९२१ ते १९६०या कालखंडातील धार्मिक, सांस्कृतिक आणि वाडमयीन पाश्वर्भूमी<br>इ.स.१९२१ ते १९६०या कालखंडातील प्रेरणा आणि प्रवृत्ती | १६ |

|                    |   |   |    |
|--------------------|---|---|----|
| फेब्रुवारी<br>२०१५ | इ.स.१९२१ ते १९६०या कालखंडातील प्रेरणा आणि प्रवृत्ती<br>इ.स.१९२१ ते १९६०या कालखंडातील निवडक वाडमयप्रकारांचा स्थूल आढावा. | इ.स.१९२१ ते १९६०या कालखंडातील प्रेरणा आणि प्रवृत्ती<br>इ.स.१९२१ ते १९६०या कालखंडातील कथा, कादंबरी, वाडमयप्रकारांचा स्थूल आढावा. | १६ |
| मार्च<br>२०१५      | निवडक वाडमयप्रकारांचा स्थूल आढावा.  | इ.स.१९२१ ते १९६०या कालखंडातील कविता, नाटक, चरित्र, आत्मचरित्र या निवडक वाडमयप्रकारांचा आढावा.                                   | १६ |

## अध्यापन नियोजन आराखडा

वर्ग – द्वितीय वर्ष विज्ञान

शैक्षणिक वर्ष २०१४ – २०१५

विषय : मराठी विज्ञान साहित्य आणि व्यावहारिक आणि उपयोजित मराठी

विषय शिक्षकाचे नाव : डॉ.बी.डी.अनुसेस

| महिना            | घटक                         | उपघटक  | तासिका |
|------------------|-----------------------------|--|--------|
| प्रथम सत्र       |                             |  |        |
| जून<br>२०१४      | घटक १ – निबंधलेखन           | घटक १ – निबंधलेखन  | ०६     |
| जुलै<br>२०१४     | घटक २ – नेमलेले पाठ्यपुस्तक | विज्ञानसृष्टी – संपा. डॉ.स्नेहल तावरे, डॉ.बाळासाहेब गुंजाळ | १६     |
| ऑगस्ट<br>२०१४    | घटक २ – नेमलेले पाठ्यपुस्तक | विज्ञानसृष्टी – संपा. डॉ.स्नेहल तावरे, डॉ.बाळासाहेब गुंजाळ | १६     |
| सप्टेंबर<br>२०१४ | घटक २ – नेमलेले पाठ्यपुस्तक | विज्ञानसृष्टी – संपा. डॉ.स्नेहल तावरे, डॉ.बाळासाहेब गुंजाळ | १६     |
| ऑक्टोबर<br>२०१४  |                             | अंतर्गत मूल्यमापन परीक्षा                                  | ०८     |

## द्वितीय सत्र

|                    |                              |   |    |
|--------------------|------------------------------|---|----|
| डिसेंबर<br>२०१४    | व्यावहारिक आणि उपयोजित मराठी | भाषांतरलेखन— संकल्पना, स्वरूप   | १६ |
| जानेवारी<br>२०१५   | व्यावहारिक आणि उपयोजित मराठी | एक तृतीयांश सारांशलेखन — संकल्पना, स्वरूप   | १६ |
| फेब्रुवारी<br>२०१५ | व्यावहारिक आणि उपयोजित मराठी | प्रसारमाध्यमांसाठी विज्ञानविषयक लेखन —वर्तमानपत्रासाठी लेख तयार करणे. जाहिरात तयार करणे आकाशवाणीसाठी भाषणाचे संहितालेखन, इ. | १६ |
| मार्च<br>२०१५      | व्यावहारिक आणि उपयोजित मराठी | दूरदर्शनसाठी मुलाखतलेखन, इंग्रजी शब्दांसाठी मराठीतील पारिभाषिक शब्द<br>अंतर्गत मूल्यमापन परीक्षा                            | १२ |

## अध्यापन नियोजन आराखडा

वर्ग – तुतीय वर्ष कला

शैक्षणिक वर्ष २०१४ – २०१५

विषय : आधुनिक मराठी साहित्य आणि व्यावहारिक व उपयोजित मराठी (जी ३)

विषय शिक्षकाचे नाव : डॉ.बी.डी.अनुसेस

| महिना      | घटक | उपघटक | तासिका |
|------------|-----|-------|--------|
| प्रथम सत्र |     |       |        |

|                  |                  |  |    |
|------------------|------------------|--|----|
| जून<br>२०१४      | १.ग्रंथ परीक्षण  | स्वरूप, घटक,   | ०६ |
| जुलै<br>२०१४     | १.ग्रंथ परीक्षण  | विविध वाडमय प्रकारातील साहित्यकृतीचे परीक्षण कसे करावे, ग्रंथ परीक्षण – तात्विक विवेचन, व्याख्या, माध्यमे, परीक्षकाचे गुण, उद्दिष्टे                 | १६ |
| ऑगस्ट<br>२०१४    | २.ललित गद्य      | व्याख्या, ललित गद्याचे वेगळेपण, ललित गद्य व वैचारिक गद्य यातील वेगळेपण, वैचारिक साहित्य व ललित गद्य यांचा समन्वय, ललित गद्याच्या प्रेरणा व प्रयोजने. | १६ |
| सप्टेंबर<br>२०१४ | ३.ललित लेखसंग्रह | प्राथंनेची घंटा, अशोक कोतवाल   | १६ |
| ऑक्टोबर<br>२०१४  | ३.ललित लेखसंग्रह | प्राथंनेची घंटा, अशोक कोतवाल   | १६ |

### द्वितीय सत्र

|                    |   |  |    |
|--------------------|---|--|----|
| डिसेंबर<br>२०१४    | प्रवासवर्णन – वाइमयप्रकार तात्विक विवेचन, | वाइमयप्रकार तात्विक विवेचन, स्वरूप, व्याख्या, प्रेरणा, प्रयोजने इत्यादि. घटक अभ्यासणे. | १६ |
| जानेवारी<br>२०१५   | प्रवासवर्णन – वाइमयप्रकार                 | प्रवासवर्णन वाइमयप्रकाराची व्याप्ती, वेगळेपण, वाटचाल, वैशिष्ट्ये इ.                    | १६ |
| फेब्रुवारी<br>२०१५ | नेमलेले प्रवासवर्णन पुस्तक                | चिनीमातीतील दिवस – लक्ष्मण गायकवाड   | १६ |
| मार्च<br>२०१५      | नेमलेले प्रवासवर्णन पुस्तक                | चिनीमातीतील दिवस – लक्ष्मण गायकवाड   | १६ |

## अध्यापन नियोजन आराखडा

वर्ग – तृतीय वर्ष कला

शैक्षणिक वर्ष २०१४ – २०१५

विषय : साहित्यविचार (एस.३)

विषय शिक्षकाचे नाव : डॉ.एस.डी.शिंदे

| महिना            | घटक   | उपघटक   | तासिका |
|------------------|---|---|--------|
| प्रथम सत्र       |   |   |        |
| जून<br>२०१४      | साहित्याचे स्वरूप   | १) शास्त्रीय साहित्य आणि ललित साहित्य यांतील भेद  | ०६     |
| जुलै<br>२०१४     | १. साहित्याचे स्वरूप                                      | २) साहित्याचे शब्दरूप<br>३) साहित्यातून व्यक्त होणा—या अनुभवाचे विशेष – वास्तव आणि कल्पित यांचा संबंध, संवेदनात्मकता – भावनात्मकता – वैचारिकता, सेंद्रियत्व, सूचकता, विशिष्ट आणि विश्वात्मकता   | १६     |
| ऑगस्ट<br>२०१४    | २. साहित्याचे प्रयोजन                                     | १) प्रयोजन म्हणजे काय?<br>२) प्रयोजन आणि परिणाम यांतील भेद<br>३) साहित्याची प्रयोजने – इच्छापूर्ती, जिज्ञासातृप्ती, विरेचन, आत्माविष्कार, अनुभवाची समृद्धी, स्वप्ररंजन, उद्बोधन, प्रचार, मनोरंजन, आनंद या प्रयोजनांचा लेखक व वाचक तसेच कलावादी, जीवनवादी या दृष्टीने विचार        | १६     |
| सप्टेंबर<br>२०१४ | ३. साहित्याची निर्मितीप्रक्रिया<br><br>४. साहित्याची भाषा | १) साहित्याच्या निर्मितीचे स्वरूप<br>२) साहित्यनिर्मितीच्या शक्ती<br>३) प्रतिभाव्यापार व स्वप्रव्यापार<br>४) साहित्याची निर्मिती प्रक्रिया आणि साहित्यिकाचे व्यक्तिमत्त्व<br><br>व्यवहारभाषा, शास्त्रीय साहित्याची भाषा व साहित्याची भाषा यांच्यातील भेद, शब्दार्थाचा वक्रव्यापार | १६     |
| ऑक्टोबर<br>२०१४  | ४. साहित्याची भाषा  | भाषेचे नादरूप, अलंकार, रूपक, प्रतिमा, प्रतीक, प्राक्कथा, शैलीविचार  | ०८     |

## द्वितीय सत्र

|                    |                                |   |    |
|--------------------|--------------------------------|---|----|
| डिसेंबर<br>२०१४    | ५. साहित्याचा आस्वाद           | १) आस्वाद म्हणजे काय ?<br>२) आस्वाद प्रक्रिया<br>३)आस्वादाला आवश्यक असणारे गुण<br>४) आस्वादातील अडथळे   | १६ |
| जानेवारी<br>२०१५   | ६.साहित्याची<br>सामाजिकता      | १)साहित्य आणि समाज यांचे परस्परसंबंध<br>२)लेखकाची सामाजिकता<br>३)भाषेची सामाजिकता<br>४)कलात्मक अनुभवाची सामाजिकता<br>५)वाचकाची सामाजिकता<br>६)साहित्यातील सामाजिकतेला वैशिवक रूप प्राप्त होते<br>काय ?<br>७)बांधिलकीची संकल्पना व साहित्यिकाची बांधिलकी | १६ |
| फेब्रुवारी<br>२०१५ | ७. साहित्यिक अभिरूची           | १) अभिरूची म्हणजे काय ?<br>२) अभिरूची आणि सौंदर्यदृष्टी<br>३) अभिरूची आणि आैचित्य<br>४) अभिरूची भिन्नतेची कारणे<br>५) अभिरूची नियत करणारे घटक   | १६ |
| मार्च<br>२०१५      | ८.साहित्यप्रकाराची<br>संकल्पना | १)साहित्याच्या वर्गीकरणाची शक्याशक्यता २)साहित्याच्या<br>वर्गीकरणाची आवश्यकता<br>३) साहित्याच्या वर्गीकरणाची तत्त्वे<br>४) साहित्याचे ठळक प्रकार  | १६ |

## अध्यापन नियोजन आराखडा

वर्ग – तृतीय वर्ष कला

शैक्षणिक वर्ष २०१४ – २०१५

विषय – भाषाविज्ञान : वर्णनात्मक आणि ऐतिहासिक (एस.४)

विषय शिक्षकाचे नाव : डॉ.बी.डी.अनुसेद

| महिना      | घटक | उपघटक | तासिका |
|------------|-----|-------|--------|
| प्रथम सत्र |     |       |        |

|                  |                                   |  |    |
|------------------|-----------------------------------|--|----|
| जून<br>२०१४      | भाषाकुलाची<br>संकल्पना            | भाषांचे वर्गीकरण, जगातील प्रमुख भाषाकुळे,  | ०६ |
| जुलै<br>२०१४     | भाषाकुलाची<br>संकल्पना            | इंडो – युरोपियन भाषाकुल. आर्य भाषाकुल व मराठी भाषा, होन्ले यांचा अंतर्वर्तुळ – बहिर्वर्तुळ सिद्धांत                | १६ |
| ऑगस्ट<br>२०१४    | मराठी भाषेची<br>उत्पत्ती          | मराठी भाषेची उत्पत्ती व त्या संबंधीची साधने, मराठी उत्पत्तीसंबंधी विविध सिद्धांत, वैद्य-गुणे वाद,                  | १६ |
| सप्टेंबर<br>२०१४ | तेराव्या शतकातील<br>मराठी भाषा    | कालीक भेद निर्माण होण्याची कारणे, यादवकालीन मराठी भाषेचे स्वरूप, यादवकालीन मराठीची वर्णमाला, रूपविचार, शब्दसंग्रह, | १६ |
| ऑक्टोबर<br>२०१४  | सतराव्या<br>शतकातील मराठी<br>भाषा | शिवपूर्वकाल व शिवकालीन मराठी भाषा, भाषिक वैशिष्ट्य, वाक्यरचना, शब्दसंग्रह, अरबी – फारसी भाषेचा मराठीवरील प्रभाव.   | १६ |

द्वितीय सत्र

|                    |              |   |    |
|--------------------|--------------|---|----|
| डिसेंबर<br>२०१४    | स्वनिम विचार | स्वनिम निश्चितीचे तत्व, विनियोग, संकल्पनेचा स्थूल परिचय, स्वन, स्वनिम, स्वनांतर परस्पर संबंध, मराठी स्वनिम व्यवस्थेची रूपरेषा, स्वर स्वनिम, व्यंजन स्वनिम यांचे वर्गीकरण, | १६ |
| जानेवारी<br>२०१५   | रूपिम विचार  | रूपिम तत्व, रूपिका – रूपिम आणि रूपिकांतर, परस्पर संबंध, रूपिमांचे प्रकार, प्रकृती आणि प्रत्यय यांचे वर्गीकरण, आशायबोधक रूपिम, कार्यकर रूपिम, धातू.                        | १६ |
| फेब्रुवारी<br>२०१५ | वाक्यविचार   | वाक्यविन्यास संकल्पना आणि मराठीतील वाक्यविन्यास व्यवस्था, पद, पदसमूह, उपवाक्य व वाक्य यांची स्थूल ओळख   | १६ |
| मार्च<br>२०१५      | अर्थविचार    | अर्थविन्यास व मराठीतील त्यांचे स्वरूप, अर्थ ही संकल्पना, अर्थनिश्चितीमागील भूमिका, शब्दनिष्ठ अर्थ, वाक्यनिष्ठ अर्थ  | १६ |

डॉ.बी.डी.अनुसेद

मराठी विभाग प्रमुख